स्तन कैंसर

लक्षित थेरेपी

लक्षित थेरेपी क्या होती है?

यह औषधियों का एक समूह होता है जो कैंसर को विकास व विस्तार करने से रोकती है। यह थेरेपी उन कोशिकाओं की प्रक्रियाओं को लक्षित करके बाधित करती है जिससे कैंसर विकसित होता है। अधिकांश सुपरिचित लक्षित थेरेपी त्रास्तुज़ुमाब (हरसेप्टीन) होती है।

संक्षिप्त विवरण

त्रास्तुज़ुमाब (हेर्सप्तीं), मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ नामक औषधि समूह से संबंधित है। इसमें एक लक्षित थेरेपी (जिसे जैविक थेरेपी भी कहा जाता है) होती है। लक्षित थेरेपी, कैंसर के विकास व विस्तार को अवरूद्ध करती है। यह थेरेपी उन कोशिकाओं की प्रक्रियाओं को लक्षित करके बाधित करता है जिससे कैंसर विकसित होता है। त्रास्तुज़ुमाब, जैनेरिक (ब्रांडरहित) नामक दवा होती है। इसका मौजूद ब्रांड का नाम है हेर्सप्तीं।

त्रास्तुज़ुमाब कैसे काम करती है?

कुछ स्तन कैंसर की कोशिकाओं की अपनी सतह पर एचईआर2 (ह्यूमन एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर 2) नामक प्रोटीन के सामान्य स्तर (ओवरएक्सप्रेशन से भी जाना जाता है) से अधिक मात्रा होती है जो उन्हें विकसित करने के लिए उत्तेजित करता है। लगभग 15 से 20 प्रतिशत इनवेसिव स्तन कैंसर (ऐसे स्तन कैंसर जिसमें शरीर के अन्य अंगों में फैलने की क्षमता होती है) में एचईआर2 नामक प्रोटीन सकारात्मक होता है।

त्रास्तुज़ुमाब स्वयं को एचईआर2 प्रोटीन (रिसेप्टर के नाम से भी जाना जाता है) से जोड़कर काम करती है ताकि कैंसर कोशिकाएं विकसित होने के लिए उत्तेजित न हो सकें। इसकी मदद से शरीर की प्रतिरक्षा-प्रणाली स्तन कैंसर की कोशिकाओं को भी नष्ट कर सकती है।

त्रास्तुज़ुमाब का नुस्खा कब लिखा जाता है?

एचईआर2 सकारात्मक स्तन कैंसर से ग्रसित व्यक्ति को ही त्रास्तुज़ुमाब दवा सेवन से फायदा होता है। यदि कैंसर एचईआर2 नकारात्मक है, तो त्रास्तुज़ुमाब दवा से फायदा नहीं होगा।

इस दवा को आमतौर पर सर्जरी के बाद स्तन कैंसर के दुबारा होने या शरीर के अन्य अंगों में फैलने की संभावना को कम करने के लिए, कीमोथेरेपी के साथ या बाद में दिया जाता है। इसे सहायक उपचार के नाम से भी जाना जाता है।

त्रास्तुज़ुमाब दवा को कीमोथेरेपी के बिना भी दिया जाता है क्योंकि इसके लिए चिकित्सीय परीक्षण में दो उपचारों का अध्ययन किया गया है।

इसे अन्य निर्धारित उपचार जैसे रेडियोथेरेपी व हार्मोन थेरेपी के साथ भी दिया जा सकता है।

कभी-कभी, सर्जरी के पहले कीमोथेरेपी व त्रास्तुज़ुमाब दी जाती है। इसे नवीन-सहायक या प्राथमिक थेरेपी कहते हैं। उदाहरण के लिए, इन्हें तेजी से बढ़ते स्तन कैंसर की गति को कम करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है ताकि शरीर के अन्य भागों में कैंसर फैलने की संभावना को कम किया जा सके या सर्जरी से पहले विशाल स्तन कैंसर को घटाने में मदद मिल सकती है।

विशेषज्ञ टीम द्वारा बताये जाने वाले प्रत्येक उपचार व इसे कब दिया जाएगा, के कारणों के बारे में स्पष्ट किया जा सकता है।

वक्ष/स्तन क्षेत्र (लोकल रिकरेंस भी कहा जाता है) या परिवेशी स्थल (लोकली एडवांस्ड या रिजनल रिकरंस कहा जाता है) में वापस हो चुके स्तन कैंसर के उपचार के लिए त्रास्तुज़ुमाब का इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति को सेकण्डरी स्तन कैंसर का निदान किया गया है तो भी इस दवा को लिखा जा सकता है।

हृदय समस्या या सही ढ़ंग से अनियंत्रित उच्च रक्तचाप वाले व्यक्ति को हरसेप्टीन दवा नहीं दी जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति को स्तन कैंसर एचईआर2 सकारात्मक है और उसे हृदय समस्याएं भी है, तो विशेषज्ञ द्वारा ऐसे अन्य परीक्षण किये जायेंगे जिससे यह जाँच की जाती है कि आपका ई¢दय सही ढंग से काम कर रहा है या नहीं।

आमतौर पर गर्भावस्था के दौरान त्रास्तुज़ुमाब नहीं दी जाती है और इसकी खुराक दी गई महिला को इसकी अंतिम खुराक से सात महिने तक गर्भधारण नहीं करने की सलाह दी जाती है। त्रास्तुज़ुमाब लेने के समय या इसकी अंतिम खुराक के सात महीने के अंतर्गत स्तनपान नहीं कराया जाता है।

त्रास्तुज़ुमाब थेरेपी अवधि क्या है?

प्राथमिक स्तन कैंसर से ग्रसित व्यक्ति को आमतौर पर, यह दवा एक वर्ष (लगभग 18 चक्र) तक दी जाती है।

यदि कोई महिला सेकण्डरी स्तन कैंसर का उपचार करने के लिए त्रास्तुज़ुमाब का सेवन रही है, तो इस दवा को कैंसर को नियंत्रण में आने तक दी जाती है।

त्रास्तुज़ुमाब के कौन-कौन से दुष्प्रभाव होते हैं?

अन्य औषधियों की तरह, त्रास्तुज़ुमाब के भी दुष्प्रभाव हो सकते हैं। हर व्यक्ति दवा के प्रति अलग प्रतिक्रिया करता है और कुछ लोगों को अन्य लोगों से अधिक दुष्प्रभाव होते हैं। प्रथम कुछ उपचारों में ज्यादातर दुष्प्रभाव हो सकते हैं और अधिकांश मामलें में कुछ समय बाद इसके दुष्प्रभाव कम हो जाते हैं।

रक्त थक्के

कैंसर से पीड़ित व्यक्ति में कैंसर व इसके उपचार के कारण रक्त थक्के विकसित होने का अधिक खतरा हो सकता है। यदि आपके पैर में किसी तरह की सूजन, दर्द या लाल चकते हैं, सांस की तकलीफ या सीने में दर्द होता है, तो इसके बारे में सीधे डॉक्टर को सूचित करना आवश्यक है।

सामान्य दुष्प्रभाव

त्रास्तुज़ुमाब के कई सामान्य दुष्प्रभाव है।

बुखार जैसे लक्षण

अपने उपचार के दौरान या इसके कुछ समय बाद बुखार, ठंड लगना और शरीर के कुछ अंगों में हल्का दर्द हो सकता है। पहली बार त्रास्तुज़ुमाब औषधि देने पर अधिकतर ये लक्षण दिखाई देते हैं जो कि लम्बे समय तक नहीं रहते हैं। दर्द निवारक दवा लेने से आराम मिल सकता है।

मतली (अस्वस्थ होना)

यह समस्या हल्की व कुछ समय तक रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए रुग्णरोधी दवा लिखी जा सकती है।

अतिसार (दस्त)

हल्की दस्त लग सकती है। विशेषज्ञ टीम इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए दवा लिख सकते हैं।

हृदय समस्याएं

हृदय समस्या जैसे असामान्य हृदय गति विकसित होने की कुछ संभावना हो सकती है, जिससे सांस लेने में तकलीफ व घबराहट जैसे लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं। उपचार करने से पहले आपकी हृदय कार्यप्रणाली की जाँच करने के परीक्षण, जैसे इकोकार्डियोग्राम (हृदय का अल्ट्रासाउण्ड) या मल्टी-गेटेड ऐक्विज़िशन (एमयूजीए) स्कैन (ऐसी स्कैन जिसमें

रेडियाधर्मी पदार्थों का उपयोग किया जाता है) किया जाता है और इन्हें उपचार के दौरान प्रत्येक तीन से चार महीने में दोहराया जा सकता है।

कीमोथेरेपी के समय, विशेष रूप से ऐन्थ्रासाइक्लिन नामक औषधि समूह के साथ त्रास्तुजुमाब दी जाती है या पहले से ही हृदय समस्याएँ है तो अत्यधिक हृदय समस्याएँ हो सकती है। त्रास्तुजुमाब सेवन करने वाले सिर्फ कुछ लोगों को हृदय समस्याएँ हो सकती है और एकबार उपचार पूरा होने के बाद ये समस्या खत्म हो जाती है। यदि इसकी समस्या होती है, तो आपको इनके लिए उपचार कराना आवश्यक है और आपको त्रास्तुजुमाब या कीमोथेरेपी को अस्थायी रूप से रोकना होगा। कभी-कभार त्रास्तुजुमाब या कीमोथेरेपी को स्थायी रूप से रोका जा सकता है।

यदि किसी व्यक्ति को हृदय या रक्तचाप संबंधित समस्याएँ होती है, तो उन्हें त्रास्तुजुमाब औषधि को सेवन करने से मना किया जा सकता है।

गर्भ निरोधक

ऐसी महिला जिसका मासिकधर्म चल रहा है, या कीमोथेरेपी उपचार के परिणामस्वरूप उसका मासिकधर्म (जो अस्थायी हो सकता है) बंद हो गया है, तो उपचार के दौरान त्रास्तुजुमाब के साथ-साथ कंडोम जैसे गर्भनिरोधक तरीकों को इस्तेमाल करें, और इसके बाद कम से कम सात माह तक जारी रखें, क्योंकि इससे विकसित होते भ्रूण पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।